2.00 P.M.

अंत में मैं एक चीज और कहूंगा कि हमारे Jharsuswa, Rourkela और Jamgaon तीन डिवीजनों के बीच में आता है और इस एरिया को ईस्ट-कोस्ट में मिलाया जाए, तभी फायदा होगा। इन सारे मिनरल ऐरियाज़ को exploit करने के लिए यदि आज बिमलागढ़ की रेलवे लाइन बनाई जाए, तो और अच्छा होगा। तब हम उन ऐरियाज़ से माइनिंग कर पाएंगे और इससे रेलवे को आमदनी होगी और उड़ीसा सरकार को भी फायदा होगा। जब भी उड़ीसा के लिए रेलवे लाइनें दी जाएं, तो मैं चाहूंगा कि हमारे राज्य को ज्यादा पैसा दिया जाए। मैं एक चीज और कहूंगा कि रेल मंत्री महोदया ने कहा था कि जहां पर रेलों को नहीं रोका जाएगा, वहां के लिए वे ज्यादा पैसा देंगी। मैं यह कहना चाहता हूं कि हमारे मुख्यमंत्री - श्री नवीन पटनायक जी और हमारे नेता - श्री प्यारीमोहन महापात्र जी की सख्त इंस्ट्रक्शंस हैं कि उड़ीसा में कहीं भी रास्ता रोको आंदोलन नहीं होगा। आपने मुझे इस रेल बजट पर बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

———————

[MR. CHAIRMAN in the Chair]

MEMBER SWRON

Shrimati Hema Malini (Karantaka)

———————

ORAL ANSWERS TO QUESTIONS

पंजाब के भटिण्डा तथा होशियारपुर में कैंसर के मामलों में वृद्धि

*161. **सुश्री अनुसुइया उइके**: क्या **स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि पंजाब के भटिण्डा तथा होशियारपुर में कैंसर से ग्रस्त रोगियों की संख्या अन्य स्थानों की तुलना में बहुत अधिक है;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान भटिण्डा तथा होशियारपुर में कैंसर से ग्रस्त रोगियों की वर्षवार संख्या कितनी सूचित की गयी थी;

(ग) इस क्षेत्र में कैंसर से ग्रस्त रोगियों की संख्या सामान्य से अधिक होने के क्या कारण हैं; और

(घ) इस क्षेत्र में कैंसर से ग्रस्त रोगियों की बढ़ती हुई संख्या पर रोक लगाने के लिए केन्द्रीय सरकार अथवा राज्य-सरकार द्वारा क्या कार्यवाही की गयी है?

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री (श्री गुलाम नबी आज़ाद): (क) से (घ) विवरण सदन के पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

वर्ष 2001-09 के दौरान उत्पन्न हुए कैंसर मामलों पर 2009 में पंजाब सरकार द्वारा कराए गए प्रारंभिक सर्वेक्षण से एकत्र की गई सूचना के अनुसार पंजाब में औसत व्याप्तता दर प्रति लाख जनसंख्या पर 30.54 थी जबकि भटिंडा में प्रति लाख जनसंख्या पर 75 और होशियारपुर में प्रति लाख जनसंख्या पर 46.47 की व्याप्तता प्रदर्शित हुई। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आई सी एम आर) के दल ने सितम्बर, 2010 में पंजाब का दौरा किया तो मालवा क्षेत्र में पंजाब के अन्य क्षेत्रों के मुकाबले कैंसर की उच्चतर संख्या पाई, इस भिन्नता के कारण स्पष्ट नहीं दिये गये हैं।

अलग-अलग राज्यों के लिए कैंसर की घटना के संबंध में सूचना केन्द्र स्तर पर नहीं रखी जाती है। तथापि, 4 मार्च, 2011 को पंजाब सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार भटिंडा एवं होशियारपुर जिलों में विगत 5 वर्षों के दौरान कैंसर रोगियों की संख्या निम्नलिखित हैं:

वर्ष	भटिंडा में कैंसर रोगियों की संख्या	होशियारपुर में कैंसर रोगियों की संख्या
2006	610	173
2007	588	197
2008	588	165
2009	486	191
2010	603	203

समुदाय आधारित सर्वेक्षणों, जन जागरूकता, कैंसर के निदान एवं उपचार के लिए सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण और कैंसर रोगियों के लिए वित्तीय सहायता सहित राज्य में कैंसर की रोकथाम एवं नियंत्रण करने के लिए पंजाब सरकार द्वारा अनेक उपाए किए गए हैं।

केन्द्र सरकार राज्य सरकारों के प्रयासों को विभिन्न कार्यकलापों में संपूरित कर रही है। पंजाब में पटियाला, अमृतसर एवं फरीदकोट में सरकारी मेडिकल कालेजों में अर्बुदविज्ञान स्कंध के विकास के लिए सहायता-अनुदान प्रदान किए गए हैं। भारत सरकार ने हाल ही में एक व्यापक राष्ट्रीय कैंसर, मधुमेह, हृदय वाहिका रोग एवं आघात निवारण एवं नियंत्रण कार्यक्रम (एन पी सी डी सी एस) शुरू किया है। नए कार्यक्रम में वर्ष 2010-11 एवं 2011-12 के दौरान 21 राज्यों के 100 जिलों में कैंसर रोगियों को नैदानिक सेवाएं, मूलभूत शल्य चिकित्सा, कीमोथिरेपी एवं रोग उपशामक परिचर्या प्रदान करने की परिकल्पना की गई है। पंजाब के तीन जिलों नामत: भटिंडा, होशियारपुर एवं मनसा को जिला कैंसर परिचर्या सुविधाओं की स्थापना करने के लिए शामिल किया गया है।

Rise in cancer cases in Bhatinda and Hoshiarpur in Punjab

†*161. MISS ANUSUIYA UIKEY: Will the Minister of HEALTH AND FAMILY WELFARE be pleased to state:

(a) whether Government is aware of the fact that the number of cancer patients in Bhatinda and Hoshiarpur in Punjab are more than that in other places;

(b) the number of cancer patients reported in Bhatinda and Hoshiarpur during the last five years, year-wise;

(c) the reasons for above average number of cancer patients in the region; and

(d) the action taken by the Central Government or the State Government to check the rising number of cancer patients in the region?

THE MINISTER OF HEALTH AND FAMILY WELFARE (SHRI GHULAM NABI AZAD): (a) to (d) A statement is laid on the Table of the House.

†Original notice of the question was received in Hindi.

Statement

As per information collected from a preliminary survey carried out by the Government of Punjab in 2009 on cancer cases occurring during 2001-09, the average prevalence rate in Punjab was 30.54 per lakh population, with Bhatinda showing a maximum prevalence of 75 per lakh population and Hoshiarpur showing a prevalence of 46.47 per lakh population. A team from the Indian Council of Medical Research (ICMR) which visited Punjab in September, 2010, noted a higher occurrence of cancer in the Malwa Region as compared to other areas of Punjab, the reasons for this difference are not clear.

Information regarding occurrence of cancer for individual states is not maintained centrally. However, according to the information provided by Government of Punjab on 4th March, 2011, number of cancer cases during the last 5 years in Bhatinda and Hoshiarpur Districts are as follows:

Year	No. of cancer cases in Bhatinda	No. of cancer cases in Hoshiarpur
2006	610	173
2007	588	197
2008	588	165
2009	486	191
2010	603	203

Several steps have been taken by Government of Punjab to prevent and control of Cancer in the state including community based surveys, public awareness, strengthening of facilities for diagnosis and treatment of cancer and financial assistance to the cancer patients.

The Central Government is supplementing the efforts of the State Governments in various activities. Grant-in-aid has been released for Development of Oncology Wing in Government Medical Colleges at Patiala, Amritsar and Faridkot in Punjab. The Government of India has recently launched a comprehensive National Programme for Prevention and Control of Cancer, Diabetes, Cardiovascular Diseases and Stroke (NPCDCS). The new programme envisages providing diagnostic services, basic surgery, chemotherapy and palliative care to cancer patients at 100 districts across 21 States during 2010-11 and 2011-12. Three districts of Punjab namely Bhatinda, Hoshiarpur and Mansa have been included for setting up District Cancer Care Facilities.

सुश्री अनुसुइया उइके: माननीय सभापति महोदय, मंत्री जी ने मेरे प्रश्न के भाग (क) और (ख) में पूछे गए प्रश्न के उत्तर में यह स्वीकार किया है कि पंजाब के अन्य क्षेत्रों की तुलना में भटिंडा और होशियारपुर में कैंसर के मरीज अधिक पाए गए हैं। इसमें सर्वे के अनुसार मरीजों की संख्या भी बताई गई

है। लेकिन मेरे प्रश्न के भाग (ग) में पूछे गए प्रश्न का इनके उत्तर में कोई स्पष्ट जवाब नहीं है। मैं आपके माध्यम से माननीय मंत्री जी से यह पूछना चाहती हूँ कि भटिंडा और होशियारपुर में कैंसर से ग्रसित रोगियों की संख्या अधिक होने के क्या कारण हैं? क्या आपने इस पर कोई सर्वे कराया है कि किस कारण से वहां पर कैंसर से ग्रसित रोगियों की संख्या अधिक है?

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सर, यह हकीकत है। जैसा हमने अपने उत्तर में भी बताया है कि भटिंडा में 75 per lakh population है और होशियारपुर में 46.47 per lakh population है, लेकिन मालवा रीजन में ही दूसरी जगहों के मुकाबले में कैंसर के बारे में जानकारी मिली है। इसी कारण राज्य सरकार ने time to time बहुत प्रोग्राम्स बनाए, लेकिन ultimately Government of India को अपनी एक हाई लेवल टीम लास्ट सितम्बर में भेजनी पड़ी। तकरीबन 8 लोगों की टीम मिनिस्ट्री, पी.जी.आई., आई.सी.एम.आर. बंगलुरु, पटियाला और दूसरी जगहों से लेकर बनाई गई और इस टीम ने 15 सितंबर को हेल्थ मिनिस्टर और मिनिस्ट्री के सभी ऑफिसर्स के साथ मीटिंग की। इसके बाद 16 और 17 सितंबर को यह टीम अमृतसर, फिरोजपुर, फरीदकोट, भटिंडा, मुक्तसर, मानसा और पटियाला गई। इसके जो नतीजे निकले हैं, मैं उनके डिटेल्स में नहीं जाना चाहता हूँ, लेकिन जो recommendations हैं, जो outcomes हैं, वे बहुत जरूरी हैं। इसमें सेन्ट्रल यूनिवर्सिटी पंजाब ने भटिंडा में एक Molecular Genetics Laboratory शुरू करने की बात बताई है और आई.सी.एम.आर. की जो टीम गई, उसने यह सुझाव दिया है कि पंजाब में कोई भी रीजनल कैंसर सेंटर नहीं है, इसलिए हमारी मिनिस्ट्री पंजाब में कैंसर सेंटर स्थापित करने के लिए सहायता देगी, साथ ही तकरीबन तीन Oncology Wing भी develop करेगी। इसी तरह से early detection के लिए एक नया प्रोग्राम हम लोगों ने दिसंबर में शुरू किया है, जिसमें 100 districts लिए गए हैं और पंजाब के ये तीनों districts उसमें शामिल हैं।

सुश्री अनुसुइया उइके: माननीय सभापति महोदय, मैंने कारणों को जानना चाहा था कि किन कारणों की वजह से वहां के लोगों को कैंसर होता है? इसकी स्पष्ट जानकारी माननीय मंत्री जी ने नहीं दी है, लेकिन मैं एक दूसरी जानकारी चाहती हूं कि संपूर्ण पंजाब के साथ-साथ होशियारपुर एवं भटिंडा के किसानों द्वारा रासायनिक खाद एवं कीटनाशकों का अत्यधिक प्रयोग किया जा रहा है, जिसकी वजह से भूमि ज़हरीली हो गई है तथा इसमें उत्पन्न होने वाली कृषि उपज का सेवन करने की वजह से कैंसर के रोगियों की संख्या अन्य क्षेत्रों की अपेक्षा यहां तेज़ी से बढ़ रही है। तो मैं यह जानना चाहती हूं कि क्या इसी वजह से कैंसर की बीमारी इस क्षेत्र में अधिक मात्रा में पाई जा रही है?

SHRI DINESH TRIVEDI: Sir, in the answer it is very clear that when the expert team has gone to the specific area, which the hon. Member has mentioned, there are no particular, clear reasons. The reasons could be many. Cancer, as we all know, breast cancer or cervical cancer or prostrate cancer is hundred per cent treatable if an early diagnosis is done. But if this is not diagnosed at an earlier stage, this could become fatal. So, it is very clear that those experts who have gone there have not come to a definite conclusion. The study could again be undertaken but the fact is, there is no scientific reason that because of what the Member has mentioned, cancer has increased. There is no scientific proof for that.

श्रीमती विप्लव ठाकुर: सभापति जी, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहती हूं कि जब ये शहर पंजाब के हैं, तो पंजाब गवर्नमेंट ने इनके लिए क्या steps उठाए हैं? कैंसर बहुत फैल रहा है, तो कैंसर के लिए

क्या awareness camps लगाए हैं, किस तरह से लोगों को aware किया जा रहा है कि कैंसर से किस तरह से बचा जाए? जैसे अभी मंत्री जी ने कहा कि कैंसर का अधिकतर लास्ट स्टेज में पता लगता है, तो पहले ही उसका पता लगे, इसके लिए भारत सरकार क्या कदम उठा रही है?

श्री गुलाम नबी आज़ाद : एक तो अनुसुइया जी ने जो सवाल पूछा था कि क्या इसमें खाद वगैरह का भी कोई असर है, तो उसके बारे में जो आई.सी.एम.आर. की रिपोर्ट है, उसमें उन्होंने कहा है कि इसे बारे में अभी जांच-पड़ताल करनी होगी। अलबत्ता पानी में अगर कोई मिलावट थी, तो house to house survey करने में इस तरह की कोई चीज़ सामने नहीं आई, लेकिन खाद और कीटनाशकों के बारे में कहा है कि इसमें दोबारा सर्वे और investigation करने की जरूरत है। जहां तक विप्लव ठाकुर जी ने पूछा कि पंजाब गवर्नमेंट ने क्या किया, तो पंजाब गवर्नमेंट ने एक तो Testing of heavy metals in drinking water किया है और house to house survey किए हैं। इसी तरह से medical colleges को, जैसे Bhatinda, Jalandhar और Hoshiarpur के medical colleges को strengthen किया गया है, Government Medical College, Patiala को strengthen किया गया है, Amritsar और Faridkot के Medical College को भी strengthen किया गया है। जो leading health care providers हैं, उसके साथ Public-private partnership की है। जो school children कैंसर से मुब्तला हैं, उनका सरकार की तरफ से free treatment किया जा रहा है। इसी तरह से Civil hospital, Bhatinda और PGI, Chandigarh के बीच और Regional Cancer Centers के बीच में tele-medicine services शुरू की हैं और जो cancer patients हैं, उनके लिए Punjab Roadways में free travel facilities शुरू की हैं।

जहां तक गवर्नमेंट ऑफ इंडिया का सवाल है, मेरे ख्याल में उसके बारे में मैं सदन का थोड़ा सा टाइम लेना चाहूंगा। सर, यह प्रोग्राम 1975 से शुरू हुआ और कई दफा revise हुआ, लेकिन तब पैसा नहीं होता था। पहल दफा अब हमने एक नया प्रोग्राम शुरू किया है, जिससे मेरे ख्याल से पूरे देश में एक नया परिवर्तन आ सकता है।

श्री एस.एस. अहलुवालिया: NPCDCS प्रोग्राम।

श्री गुलाम नबी आज़ाद: जितने भी non-communicable diseases हैं, उनको अब इकट्ठा किया Cardio-vascular Diseases, Stroke and Cancer, और इसके लिए 1975 से, जब से भी हम पायलट प्रोग्राम शुरू करते थे, तीन-तीन चार-चार डिस्ट्रिक्ट्स का करते थे। पहली बार हमने एक सौ डिस्ट्रिक्ट्स को पायलट प्रोग्राम के तौर पर शुरू किया। इन एक सौ डिस्ट्रिक्ट्स में तकरीबन 15 से 20 करोड़ लोग आ जाएंगे, उनकी स्क्रीनिंग होगी। जहां तक कैंसर का सवाल है, डिस्ट्रिक्ट लेवल पर उनकी स्क्रीनिंग होगी और जो सौ डिस्ट्रिक्ट्स हमने चुने हैं, उनमें से हर डिस्ट्रिक्ट में हम human resource के लिए पैसा देंगे, early detection के लिए पैसा देंगे और हर डिस्ट्रिक्ट में chemotherapy के लिए एक-एक करोड़ रुपया देंगे। इस प्रकार हर डिस्ट्रिक्ट में एक करोड़ रुपए के हिसाब से सौ डिस्ट्रिक्ट्स में सौ करोड़ रुपए chemotherapy के लिए दिए जाएंगे। इस प्रकार से यह सबसे बड़ा प्रोग्राम लॉंच किया गया है।

श्री अविनाश राय खन्ना: सर, सबसे पहले केन्द्र सरकार और पंजाब सरकार की इसके प्रति जो चिंता है, उससे कितनी सीरियस यह प्रॉब्लम है, इसे यह हाउस जानता है। मैं मंत्री जी के ध्यान में एक बात लाना चाहता हूं कि भटिंडा से एक गाड़ी राजस्थान के लिए जाती है। उस गाड़ी में सिर्फ कैंसर

पेशेंट्स जाते हैं और उस गाड़ी का नाम ही लोगों ने कैंसर एक्सप्रेस रख दिया है। इतनी भयानक स्थिति वहां पर है। आज कैंसर को ठीक करने के लिए तो बहुत कुछ है, लेकिन कैंसर क्यों हो रहा है, लोगों को कैंसर न हो, यह सुनिश्चित करना जरूरी है। मैं आपके सामने एक और तथ्य लाना चाहता हूं। आप जितने मर्जी एक्सपर्ट्स वहां भेजिए, लेकिन गांव के एक कॉमन मैन को जाकर अगर आपकी टीम पूछेगी कि कैंसर का कारण क्या है तो वह भी आपको इसके बारे में बता देगा क्योंकि वहां पर बच्चे-बच्चे को इसके बारे में मालूम है। आज पंजाब के इन जिलों में पानी में यूरेनियम भी आने लगा है। सर, सबसे बड़ा कारण यह है कि वहां पर पीने का पानी ठीक नहीं है। पहले दस-बारह फुट खदाई करने के बाद ही पीने का पानी आ जाता था, लेकिन वहां पर drinking water अच्छा न होने के कारण कैंसर हो रहा है। मेरा माननीय मंत्री जी से प्रश्न है कि आप वहां पर जो भी सर्वे करवाएं, उस सर्वे में मेडिकल एक्सपर्ट्स के साथ-साथ, जो वहां पर लोकल लोग हैं, लेमैन हैं, वहां के रीप्रेज़ेंटेटिव्स हैं, क्या उनको भी उस टीम में शामिल करेंगे और देखेंगे कि इसके क्या कारण हैं और वे दुबारा रिपीट न हों, क्या सरकार इस संबंध में भी प्रयास करेगी?

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सर सबस पहले तो आपने बताया कि पंजाब से राजस्थान जाते हैं, लेकिन ये भूल गए कि बीकानेर जाते हैं क्योंकि पंजाब में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है, खासकर इस इलाके में यह सुविधा उपलब्ध नहीं है क्योंकि डॉक्टर्स की कमी है। यह जो एरिया है, Oncology Department, इसमें पूरे देश में ही डॉक्टर्स की कमी है। यह एक सूबे की बात नहीं है, जितने पेशेंट्स हैं और जिस तरह से बढ़ रहे हैं, वह चिंता की बात है। आज हमारे देश में हर साल पांच लाख के करीब कैंसर के पेशेंट्स मरते हैं। यह बहुत चिंता का विषय है। लेकिन मैं फिर से बताना चाहता हूं कि इसके प्रीवेंशन के लिए अल्कोहल और तंबाकू पर कंट्रोल सबसे ज्यादा जरूरी है, personal hygiene जरूरी है, immunization जरूरी है, food and drugs को देखना है, air pollution है, early diagnosis जरूरी है। सबसे ज्यादा अगर early diagnosis हो जाता है तो तीस परसेंट लोगों को बचाया जा सकता है। अगर पहले precautions ली जाएं तो तीस प्रतिशत लोग बच सकते हैं और अगर early detection and treatment हो जाए तो और तीस प्रतिशत लोग बच सकते हैं। इस तरह से 60 प्रतिशत लोग तो इसी तरह से बच सकते हैं। उसके लिए जानकारी जरूरी है। ये जो सौ डिस्ट्रिक्ट्स चुने गए हैं, इनमें इनफॉर्मेशन के लिए भी अलग से पैसा रखा गया है ताकि उसके बारे में स्कूलों में, बाकी जगह, रेडियो, टेलिविज़न ओर अखबार के जरिए जानकारी दी जा सके। आज सबसे बड़ा जो खतरा है, वह tobacco से है। पहली दफा हिन्दुस्तान में सरकार ने सिर्फ tobacco पर गेट्स (Global Adults to Gasso Survey: GATS) से जांच कराई, जो कि आज तक सिर्फ जो developed countries थीं, वही सर्वे कराती थीं जब इसका कारण पूछा गया तो सबसे बड़ा कारण, जो आज तक हम सोचते हैं कि हमारे surveys गलत थे, तो उस सर्वे के मुताबिक 35 प्रतिशत देश के जो adult हैं, वे सिगरेट पीते हैं और इसमें से 21 प्रतिशत स्मोकलैस tobacco चबाते हैं और यही चबाने से 80 प्रतिशत कैंसर होता है और टोटल कैंसर में से इस tobacco की वजह से 50 परसेंट मर्दों को कैंसर होता है और 25 परसेंट महिलाओं को होता है।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ: महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि अभी इन्होंने tobacco के बारे में जो बताया कि कितने परसेंट महिलाओं को और ...**(व्यवधान)**

श्री सभापति: आप इसी सवाल पर सवाल पूछिए।

डा. विजयलक्ष्मी साधौ: सर, मैं यह जानना चाहती हूं, यह इसी से संबंधित है, स्कूलों के अंदर जो छोटे-छोटे बच्चे हैं और उन स्कूलों के बाहर tobacco के पाउच मिलते हैं, तो क्या सरकार का कोई ऐसा नेशनल प्रोगाम है जो स्कूल गोइंग चिल्ड्रंस हैं और वे tobacco यूज करते हैं पाउच के माध्यम से ...(**व्यवधान**)

MR. CHAIRMAN: That is a separate question. It does not relate to this question.

डा. विजयलक्ष्मी साधौ: सर, tobacco से जो कैंसर होता है यह उसी से रिलेटिड है, क्या कोई नेशनल प्रोग्राम है कि इस बारे में सरकार कुछ करना चाहती है?

श्री सभापति: आप इसका डिटेल्स में अलग से जवाब दीजिए।

श्री गुलाम नबी आज़ाद: सर, सरकार ने अलग से कानून बनाया है जितने भी प्रिमिसेज हैं और स्कूल तथा कॉलेज इंस्टीट्यूशंस हैं, उनके दायरे से बाहर सिगरेट बेचा जा सकता है। एक डिस्टेंस तय किया है, जहां कोई सिगरेट वगैरह बेच नहीं सकता।

Refusal of new gas connections to consumers

*162. SHRI RAM KRIPAL YADAV: Will the Minister of PETROLEUM AND NATURAL GAS be pleased to state:

(a) whether Government is aware that gas agencies are simply refusing to provide new gas connections to the consumers;

(b) if so, the reasons therefor;

(c) whether gas agencies would be asked to provide new gas connections to the consumers on demand;

(d) whether it is also a fact that the gas burner is required to be purchased from the gas agencies only at a high price which is more than the market price; and

(e) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM AND NATURAL GAS (SHRI S. JAIPAL REDDY): (a) to (e) A statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) No, Sir.

(b) Does not arise.

(c) Public Sector Oil Marketing Companies (OMCs) namely, Indian Oil Corporation Limited (IOC), Bharat Petroleum Corporation Limited (BPCL) and Hindustan Petroleum Corporation Limited (HPCL) continue to release new LPG connections in the country. The enrolment of new LPG customers and release of new LPG connections is a continuous process. New LPG connections are made available on demand, subject to the applicant residing within the area of operation of the distributorship and fulfilling requisite